



दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

TWO DAY NATIONAL SEMINAR

दिसंबर 16-17, 2022

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में शिक्षा का बदलता परिदृश्य:

शिक्षक शिक्षा एवं अध्यापन का राष्ट्रीय मानक

**Changing Landscape of Education in the Context of NEP-2020:
National Professional Standard of Teacher & Teacher Educator**

Organised by Internal Quality Assurance Cell (IQAC)

BABA SAHEB AMBEDKAR EDUCATION UNIVERSITY, KOLKATA

(Erstwhile The West Bengal University of Teachers' Training, Education Planning and Administration)



CHIEF PATRON

Prof.(Dr.) Soma Bandyopadhyay

Hon'ble Vice Chancellor

Baba Saheb Ambedkar Education University

Prof. Bina Sharma

Director, Kendriya Hindi Sansthan
(Additional Charge)

PATRON

Mr. Kunal Kanti Jha, Registrar

Baba Saheb Ambedkar Education University

Dr. Ranjan Kumar Das

Regional Director, Bhubaneswar (KHS)

Prof. (Dr.) Amit Kumar Bhattacharjee

Controller of Examinations (BSAEU)

Mr. Abhijit Biswas,

Finance Officer (BSAEU)

Mr. Swapan Kumar Ray

Deputy Registrar (BSAEU)

केंद्रीय हिंदी संस्थान

भुवनेश्वर केंद्र

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित

In collaboration With

Kendriya Hindi Sansthan

Bhubaneswar Centre

(MoE, Govt. Of India)

मुख्य अतिथि

श्री अनिल कुमार शर्मा

उपाध्यक्ष

केंद्रीय हिंदी संस्थान मंडल

Chief Guest

Sh. Anil Kumar Sharma

Vice Chairman of Kendriya

Hindi Shikshan Mandal

मुख्य संरक्षक

प्रोफेसर(डॉ.) सोमा बंद्योपाध्याय

कुलपति

बाबा साहब अंबेडकर शिक्षा विश्वविद्यालय

प्रोफेसर बीना शर्मा

निदेशक केंद्रीय हिंदी संस्थान

(अतिरिक्त कार्य दायित्व)

संरक्षक

श्री कुनाल कांति झा: कुलसचिव

बाबा साहब अंबेडकर शिक्षा विश्वविद्यालय

डॉ. रंजन कुमार दास

क्षेत्रीय निदेशक, भुवनेश्वर

प्रोफेसर(डॉ) अमित कुमार भट्टाचार्य

परीक्षा नियंत्रक

श्री अभिजीत विश्वास: वित्त अधिकारी

श्री स्वपन कुमार राय : उपकुलसचिव

About University

Baba Saheb Ambedkar Education University (Erstwhile WBUTTEPA) has come into existence by virtue of the Act of the West Bengal Legislature, having been assented by the Governor. The Act has been known as the West Bengal Act XXI of 2014; The West Bengal University of Teachers' Training, Education Planning and Administration Act, 2014 (published in the Kolkata Gazette, Extraordinary, and January 16, 2015). this is one of the biggest University of its kind with 624 affiliation colleges at present under the Vice-Chancellorship of Prof.(Dr.) Soma Bandyopadhyay. Baba Saheb Ambedkar Education University (BSAEU) works as a centralized institute for all institutions providing education in the teacher's training. The university offers B.Ed, M.Ed and Ph.D programmes in various disciplines.

विश्वविद्यालय के संबंध में

बाबा साहब अंबेडकर शिक्षा विश्वविद्यालय (पूर्व वेस्ट बंगाल यूनिवर्सिटी ऑफ टीचर्स ट्रेनिंग, एजुकेशन प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन) पश्चिम बंगाल विधानमंडल के अधिनियम के आधार पर अस्तित्व में आया है, जिसे राज्यपाल द्वारा सहमति दी गई है। अधिनियम को 2014 के पश्चिम बंगाल अधिनियम XXI के रूप में जाना जाता है; बाबा साहब अंबेडकर शिक्षा विश्वविद्यालय अधिनियम, 2014 (कोलकाता राजपत्र, 16 जनवरी, 2015 में प्रकाशित)। यह विश्वविद्यालय अपनी तरह का अद्वितीय है जो पश्चिम बंगाल के सभी शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों को जोड़े रखा है। इससे संबद्ध लगभग 624 कॉलेज मान्यताप्राप्त हैं और यह शिक्षकों के प्रशिक्षण, शिक्षा योजना, प्रशासन और अनुसंधान पर जोर देता है। यहाँ की कुलपति आदरणीया प्रो. (डॉ.) सोमा बंद्योपाध्याय के नेतृत्व में यह शिक्षक विश्वविद्यालय सराहनीय कार्य कर रहा है।



About the Seminar

Teacher education policy in India has been formulated over time and is based on the recommendations contained in various reports of education committees/commissions, the important ones being: Kothari Commission (1966), Chattopadhyaya Committee (1985), National Education Policy (NPE 1986/92), Acharya Ramamurthy Committee (1990), Yashpal Committee (1993) and National Curriculum Framework (NCF, 2005). Free and compulsory child education Right (RTE) Act, 2009. And finally Gov. of India have conceptualised the robust National Education Policy - 2020. Teacher education has been discussed in detail in all these documents, which is very instrumental for the progress of this country. The objective of this seminar is to provide a common platform to School teachers, College teachers, University teachers including Teachers Educator, Scholars and Students, so that they can share their critical views about the sub-theme given in the context of 'National Education Policy 2020'.

This seminar will therefore address, but not limited to the following issues in the light of NEP 2020:

- Emerging challenges of Teacher Education in new educational ecosystem
- Benchmark of Standardization of Competencies of School Teachers in the emerging educational context
- Benchmark of Standardization of Competencies of Teacher Educators in the emerging educational context
- Technology engaging internship programme
- Teacher Education Pedagogy: Stagnancy Vs innovation
- Issues and challenges of capacity building of Teacher Educator
- Inter-disciplinary approach in Teacher Education for Quality Teaching-learning
- Curriculum adaptation in Teacher Education for Quality Teaching-learning
- ICT integration in teaching-learning in Teacher Education
- Challenges of designing and implementation of Learning Management System (LMS)
- Project Based Learning in Teacher Education
- Art integration in Education
- MOOC (Massive Open Online Courses) a new mode of professional development in Teacher Education
- Privatization in Teacher Education and challenges of quality issues

संगोष्ठी के संबंध में

भारत में शिक्षक शिक्षा नीति को समय के हिसाब से निरूपित किया गया है और यह शिक्षा समितियों/आयोगों की विभिन्न रिपोर्टों में निहित सिफारिशों पर आधारित है, जिनमें से महत्वपूर्ण हैं : कोठारी आयोग (1966), चट्टोपाध्याय समिति (1985), राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन पी ई 1986/92), आचार्य राममूर्ति समिति (1990), यशपाल समिति (1993) एवं राष्ट्रीय पाठ्यचर्या प्रारूप (एन सी एफ, 2005)। निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार (आर टी ई) अधिनियम, 2009 तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020। इन सभी समितियों में शिक्षक शिक्षा पर विस्तार से चर्चा किया गया है जो इस देश की उन्नति के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। इस संगोष्ठी का उद्देश्य छात्र,शोधार्थी स्कूल शिक्षक/शिक्षिकाओं, कॉलेज शिक्षक/ शिक्षिकाओं, विश्वविद्यालय शिक्षक/ शिक्षिकाओं और शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों के शिक्षकों को एक साझा मंच प्रदान करने की है ताकि 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में दिये गए उपविषयों के बारे में वे अपने विचारों का आदान- प्रदान कर सकें।

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति की चुनौतियां एवं संभावनाएं
- वर्तमान समय में शिक्षक शिक्षा की उभरती चुनौतियाँ
- उभरते शैक्षिक संदर्भ में स्कूली शिक्षकों की वर्तमान चुनौतियाँ
- उभरते शैक्षिक संदर्भ में कॉलेज शिक्षकों की वर्तमान चुनौतियाँ
- स्कूली शिक्षा में गुणवत्ता : चाह, चुनौती और राहें
- 21वीं सदी में अधिगम प्रबंधन प्रणाली (Learning Management System) की भूमिका
- शिक्षक शिक्षा : विभिन्न नवाचार
- शिक्षक के क्षमता निर्माण के मुद्दे और चुनौतियाँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का लक्ष्य
- भारत में शिक्षा गुणवत्ता: चुनौतियाँ और समाधान
- शिक्षण-अधिगम में आईसीटी/तकनीकी का एकीकरण
- शिक्षक शिक्षा में परियोजना आधारित शिक्षा
- स्कूली शिक्षकों में शिक्षक प्रशिक्षण की भूमिका
- MOOC (मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स) : शिक्षक के गुणवत्तापूर्ण विकास का एक नया माध्यम
- शिक्षक शिक्षा में निजीकरण और गुणवत्ता के मुद्दों की चुनौतियाँ

GUIDE LINE FOR SUBMISSION

1. The research abstract should not exceed 300 words
2. Research paper should be in Times New Roman, whose font size should be 12. Papers sent in any other font will not be accepted.
3. Send both soft copy (doc file and PDF) of research paper.
4. References are mandatory in the research paper.
5. Send research articles to seminarbsaeu@gmail.com
6. Write your name, WhatsApp mobile number and be sure to mention the e-mail address in abstract/research paper
7. The last date for sending abstract/research articles will be 14 December 2022. After that Abstract/ Research papers will not be accepted.

OTHER IMPORTANT INFORMATION

1. Participants can also write and submit their abstracts/research articles in any one language (Hindi/Bengali/English)
 2. Only selected abstract/paper will be allowed to present paper and will be informed three days in advance
 3. Paper presentation time will be 8 minutes
 4. Certificate will be issued to all the participants
 5. Food will be arranged for all the participants
 6. A token honorariums will be offered to the research paper presenter as per KHS norms and convention.
- Notice – Selected research articles may be published with ISBN book in collaboration with Kendriya Hindi Sansthan.**

आलेख भेजने हेतु सूचनाएँ

1. शोध सार 300 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए ।
2. शोधालेख यूनिकोड में हो , जिसका फॉन्ट साइज 12 होना चाहिए । किसी अन्य फॉन्ट में प्रेषित शोधालेख स्वीकार्य नहीं होंगे ।
3. शोधालेख/सार की सॉफ्ट कॉपी (doc file तथा PDF दोनों) प्रेषित करें
4. शोधालेख में संदर्भ अनिवार्य हैं ।
5. शोधालेख seminarbsaeu@gmail.com पर भेज दें ।
6. शोधालेख में अपने नाम के साथ पद, व्हाट्सएप मोबाईल नंबर तथा ई-मेल पता का उल्लेख अवश्य करें ।
7. शोध सार /पत्र भेजने की अंतिम तिथि 14 दिसम्बर 2022 होगी । इसके बाद शोध सार स्वीकार नहीं किए जायेंगे ।

अन्य महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ

1. प्रतिभागी अपने सार/ शोध-लेख किसी एक भाषा (हिंदी/बांग्ला/अंग्रेजी) में लिख और प्रस्तुत भी कर सकते हैं ।
2. केवल चयनित शोध पत्र/सारांश को प्रस्तुत करने का सौभाग्य मिलेगा और उन्हें तीन दिन पहले सूचित कर दिया जाएगा ।
3. शोधालेख प्रस्तुत(ppt)/वाचन का समय 8 मिनट होगा ।
4. सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा ।
5. सभी प्रतिभागियों के लिए आहार का व्यवस्था किया जाएगा
6. शोधपत्र वाचकों को केंद्रीय हिंदी संस्थान के नियमानुसार सम्मान राशि प्रदान की जाएगी

सूचना – चयनित शोधालेख ISBN पुस्तक के साथ केंद्रीय हिंदी संस्थान के सहयोग से प्रकाशित करने की योजना है ।

Link for Registration: [Registration form](#)

Last date for registration 14.12.2022

Registration Fee: Rs.600/-(All Teachers)
Rs. 300/-(Scholars/Students)

Contact

Dr. Mrinal Mukherjee - 8240751252
Dr. Pramod Kumar Yadav - 8777271854
Dr. Md Zaharul Hoque - 94751557331
Website: <https://www.wbuttepa.ac.in>

पंजीकरण हेतु लिंक: [Registration form](#)

पंजीकरण की अंतिम तिथि 14.12.2022

पंजीकरण शुल्क रू.600/-(शिक्षक वर्ग),रू. 300/-(शोधार्थी/ छात्र)

संपर्क

डॉ.मृणाल मुखर्जी -8240751252
डॉ. प्रमोद कुमार यादव -8777271854
डॉ. मो.जहरुल हक -94751557331
Website: <https://www.wbuttepa.ac.in>

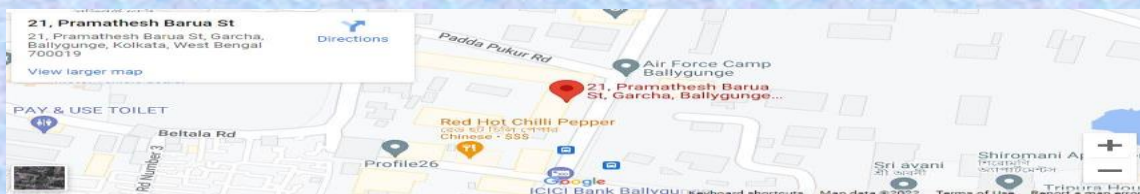
Address for Communication:

BABA SAHEB AMBEDKAR EDUCATION UNIVERSITY

(Erstwhile The West Bengal University of Teachers' Training, Education Planning and Administration & Erstwhile David Hare Training College)
25/2 and 25/3, Ballygunge Circular Road,
Kolkata-700019, West Bengal

E-mail ID: seminarbsaeu@gmail.com

Website: <https://www.wbuttepa.ac.in>



ORGANISING SECRETARY

Dr. Mrinal Mukherjee

Director, IQAC

Baba Saheb Ambedkar Education University

JOINT CONVENOR

Dr. Pramod Kumar Yadav

Assistant Professor

Baba Saheb Ambedkar Education University

Dr. Md Zaharul Hoque

Assistant Professor

Baba Saheb Ambedkar Education University

ORGANISING COMMITTEE

Prof. Ujjwal Kumar Panda

Prof. Shyamal Uday Choudhury

Dr. Biswajit Bala

Dr. Kaustuv Bhattacharyay

Dr. Mandira Ghosh

Dr. Rajib Saha

Dr. Avantika Mondal

Dr. Sumana Samanta Naskar

Dr. Sanjukta Malakar

आयोजन सचिव

डॉ. मृणाल मुखर्जी

निदेशक, IQAC

बाबा साहब अंबेडकर शिक्षा विश्वविद्यालय

सह- संयोजक

डॉ. प्रमोद कुमार यादव

सहायक प्रोफेसर

बाबा साहब अंबेडकर शिक्षा विश्वविद्यालय

डॉ. मो.जह्नुल हक

सहायक प्रोफेसर

बाबा साहब अंबेडकर शिक्षा विश्वविद्यालय

आयोजन समिति

प्रो. उज्ज्वल कुमार पंडा

प्रो. श्यामल उदय चौधरी

डॉ. विश्वजीत बाला

डॉ. कौस्तुभ भट्टाचार्य

डॉ मंदिरा घोष

डॉ. राजीव साहा

डॉ. अवंतिका मंडल

डॉ. सुमना सामंत नसकर

डॉ. संजुक्ता मालकर

Instructions for Depositing the Payment:

- Applicants should visit the <https://www.onlinesbi.sbi/> Link for payment after form submission or modification.
- Applicant should select 'SBI Bank Collect' from the menu.
- On the 'SBI Bank Collect' page, the Applicant should click the Check Box at the end of the Disclaimer Clause to proceed for payment (I have read and accepted the terms and conditions stated above).
- In the next page, the applicant should select 'State of Corporate/Institution' (West Bengal) and 'Type of Corporate/Institution' (Educational Institutions) from the drop down Menu and click GO.
- Next the Applicant should select from Educational Institutions name '**WBUTTEPA-COLLEGE**' from the drop down Menu and click Submit.
- In the next page the Applicant should select category “**National Seminar fee**” and provide his/her information. After that please click on Confirm.
- In the next page the details will be displayed on the screen with Application Fee Amount. Please provide the other mandatory information for Bank transaction.
- After confirmation of the payment details, the Applicant can make payment through Net Banking/Card Payment/Other Payment modes.
- In the other payment mode, the applicant can download and print the Pre-Acknowledgement payment challan and make the payment through any SBI Branch.
- Please note the Bank Charges for each payment mode is different.

CONCEPT NOTE

In the transition of education from Web 2.0 to 4.0, students are graduating in an evolving, amalgamated international environment that is creating immense opportunities on the one hand, while posing many relevant challenges on the other. Technology has not only changed the teaching and learning environment in the classroom, but it has also caused a paradigm shift in twentieth-century pedagogy and praxis. The retracing of trends of innovations in learning teaching in the school classroom cannot be undertaken without considering the changing landscape of learning, which is going through a sea-change in the contemporary world. In one way, learning in the 21st century is in a position to enjoy a lot of opportunities to explore its fullest potential; on the other, the new generation of digital learners is facing new kinds of challenges. The skills required to adapt for survival in this globally competitive world must be accommodated in the curriculum in the desired magnitude, and appropriate pedagogy must be developed accordingly. The 21st century teacher must be empowered and in tune with these changes. The biggest experiment is underway in teaching-learning history during this forced closure of educational institutions due to the pandemic. The researchers are required to identify and collect evidence of the strengths and drawbacks of teaching-learning in virtual mode. In the unprecedented context of pandemic-2020, globally, the educational institutions have remained closed for the considerably lengthy time, but learning teaching has not ceased. The use of digital communication tools and learning platforms for remote teaching-learning is the main instrument for ensuring this buoyancy.

The NPE 1986/92 was formulated just before the Internet revolution and, while recognizing the potential of technology, could not foresee the radical changes of the past few decades. Since then, we have been almost fatally slow in the adoption of technology to improve the quality of education (Draft, NEP, 2019). Over the years, the national level study (NAS, 2018; ASER, 2018,) suggested that not only are the levels of learning low at the school level, but that the trends in learning levels are in fact negative over the period of RTE. The quantitative development of elementary & secondary education without giving proper attention to quality is a worrisome trend. The contemporary policy discourse, particularly NPE-1986, NPE-POA-1992, NCF-2005, and NCFTE-2009, not only strongly advocated the use of educational technology to improve the quality of teaching and learning, but also introduced flagship programmes such as Sarva Shiksha Abhiyan (SSA).

The pedagogy of Teacher Education in the context of virtual teaching - learning is an emerging issue. Considering the changing landscape of learning teaching in the neo-techno-societal era, Blankenship & Kim (2012) highlighted the need for a unique design of professional development for teachers to adapt and deliver in a virtual classroom. Palloff and Pratt (2011) mentioned the uniqueness of the virtual environment and its related

technological relevance. Smith (2009), after analysing a lot of research in the field, concluded that 'standards for online teachers' are not being outlined clearly. Furthermore, most of the teachers serving in the virtual environment are unaware of learning-teaching standards. Hence the national seminar desires to add a valuable body of knowledge about the contemporary discourse of teacher education in the light of NEP 2020, focusing on the above-mentioned sub-themes.

शिक्षा के वेब 2.0 से 4.0 तक के परिवर्तनकारी दौर में, छात्र एक उन्नत, समामेलित अंतर्राष्ट्रीय वातावरण में स्नातक हो रहे हैं जो एक ओर तो अपार अवसर पैदा कर रहा है तो वहीं दूसरी ओर कई प्रासंगिक चुनौतियाँ भी प्रस्तुत कर रहा है। प्रौद्योगिकी ने न केवल कक्षा में शिक्षण और सीखने के माहौल को बदल दिया है, बल्कि इसने बीसवीं सदी के शिक्षाशास्त्र और व्यवहार में भी एक अर्थपूर्ण बदलाव ला दिया है। बृहद बदलाव से गुजर रही समकालीन दुनिया में अधिगम के परिवर्तनकारी परिदृश्य पर विचार किये बिना स्कूल की कक्षा में अधिगम तथा शिक्षण से संबंधित नवाचारों की प्रवृत्तियों का पुनर्मूल्यांकन नहीं किया जा सकता है। 21वीं सदी में शिक्षा अपने सर्वांगीण विस्तार द्वारा एक तरफ जहां अनेकानेक नये अवसर उत्पन्न कर रही है, तो वहीं दूसरी तरफ डिजिटल शिक्षार्थियों और आज की इस नई पीढ़ी को नई तरह की चुनौतियों का सामना भी करना पड़ रहा है। आज के इस वैश्विक प्रतिस्पर्धा के दौर में अपने अस्तित्व को बरकरार रखने हेतु जरूरी कौशल को वांछित मात्रा के आधार पर पाठ्यक्रम में समायोजित कर तदनुसार समुचित शिक्षाशास्त्र विकसित किया जाना अपेक्षित हो गया है। 21वीं सदी के शिक्षक को इन परिवर्तनों

को ध्यान में रखते हुए और अधिक सशक्त होना होगा। वैश्विक महामारी के कारण शिक्षण संस्थानों के अनपेक्षित बंदी के दौरान शिक्षण-अधिगम इतिहास में सबसे बड़ा प्रयोग देखने को मिला, जब अनुसंधानकर्ताओं को वर्चुअल मोड में शिक्षण-अधिगम के महत्त्व और कमियों की पहचान करने और साक्ष्य एकत्र करने का प्रत्यक्ष अवसर प्राप्त हुआ। वैश्विक महामारी-2020 के अभूतपूर्व परिपेक्ष्य में वैश्विक स्तर पर काफी लंबे समय तक शिक्षण संस्थान बंद रहे, परंतु सीखने और सिखाना की प्रक्रिया कभी बंद नहीं हुई। रिमोट टीचिंग-लर्निंग के लिए डिजिटल कम्प्युनिकेशन टूल्स और लर्निंग प्लेटफॉर्म का समुचित उपयोग इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के प्रमुख साधन के रूप में उभरा।

नई शिक्षा नीति- 1986/92 को इंटरनेट क्रांति से ठीक पहले ही तैयार किया गया था तथा प्रौद्योगिकी की क्षमता को पहचानते हुए, पिछले कुछ दशकों के दौरान इसमें आमूल-चूल परिवर्तन की उम्मीद नहीं की जा सकती। तब से, हम शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रौद्योगिकी को अपनाने में काफी धीमी गति से आगे बढ़ रहे हैं (मसौदा, एनईपी, 2019)। वर्षों से, राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले अध्ययनों (एनएएस, 2018; एएसईआर, 2018) ने निरंतर यह स्पष्ट किया है कि हमारे यहां न केवल स्कूल स्तर पर सीखने के स्तर कम हैं, बल्कि शिक्षा के अधिकार के अवधि में भी सीखने का स्तर वास्तविक रूप से नकारात्मक है। शैक्षणिक गुणवत्ता पर समुचित ध्यान दिए बिना प्रारंभिक और माध्यमिक शिक्षा का मात्रात्मक विकास एक चिंतनीय विषय है। समसामयिक शिक्षा नीति, विशेषकर एनपीई-1986, एनपीई- पीओए-1992, एनसी एफ-2005, और एनसीएफटीई-2009, ने न केवल शिक्षण और सीखने की गुणवत्ता में सुधार के लिए शैक्षिक प्रौद्योगिकी के उपयोग की पुरजोर वकालत की, बल्कि सर्व शिक्षा अभियान (एसएसए) जैसे भविष्यलक्षी कार्यक्रम भी शुरू किये।



अधिक जानकारी के लिए स्कैन करें



Scan for more Information